मुंबई सिटी के कोच पेट्र क्राटकी ने प्लेऑफ मुकाबले से पहले टीम को दिया जीत का मंत्र

मुंबई

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के प्लेऑफ मुकाबले में मुंबई सिटी एफसी को बेंगलुरु एफसी के खिलाफ कांतिरावा स्टेडियम में करो या मरो की स्थिति में उतरना होगा। इस अहम मुकाबले से पहले टीम के हेड कोच पेट्र क्राटकी और स्टार फॉरवर्ड निकोलास करेलिस ने टीम की तैयारियों और मानसिकता को लेकर अपना आत्मविश्वास जाहिर किया।

मुंबई सिटी एफसी हाल ही में इसी मैदान पर बेंगलुरु एफसी को 2-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है, जिससे टीम के हौसले बुलंद हैं। हालांकि, कोच क्राटकी और करेलिस को पता है कि यह मुकाबला पूरी तरह अलग होगा और टीम को अपनी पूरी ताकत झोंकनी होगी।

मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्राटकी ने टीम की एकजुटता को जीत का सबसे बड़ा कारण बताया।उन्होंने शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम किसी भी चीज़ की कमी नहीं महसूस कर रहे हैं। यह हमेशा एक टीम प्रयास होता है। करेलिस ने दस गोल किए हैं, लेकिन यह केवल उनकी वजह से नहीं है, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाता है, कोई असिस्ट देता है, तो कोई सही समय पर सही जगह पर मौजूद रहता है।

निकोलास करेलिस, जो इस सीजन में अब तक 10 गोल कर चुके हैं, ने भी टीम को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा, एक स्ट्राइकर के रूप में गोल करना मेरी जिम्मेदारी है, लेकिन यह मेरे साथियों की मेहनत का नतीजा है। उनकी मदद के बिना मैं यह नहीं कर सकता था।बेंगलुरु एफसी देगा कड़ी चुनौती मुंबई सिटी एफसी ने लीग चरण में बेंगलुरु एफसी को हराया था, लेकिन क्राटकी को पता है कि प्लेऑफ मुकाबले में विपक्षी टीम पहले से ज्यादा मजबूत होकर उतरेगी। उन्होंने कहा, बेंगलुरु एफसी पिछले मुकाबले में अपने कई अहम खिलाड़ियों के बिना खेल रही थी, लेकिन इस बार वे पूरी ताकत के साथ उतरेंगे। हमें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहना होगा।

न्यूज ब्रीफ

ला लीगा: बार्सिलोना ने ओसासुना को 3-0 से हराकर शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बनाई

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने ओसासुना के खिलाफ एकतरफा 3-0 की जीत दर्ज करते हुए ला लीगा की अंकतालिका में शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के साथ बार्सिलोना का सभी प्रतियोगिताओं में अजेय क्रम 19 मैचों तक पहुंच गया।

कैम्प नोउ में खेले गए इस मुकाबले में फारवर्ड फेरान टोरेस ने 11वें मिनट में अलेजांद्रो बाल्डे के शानदार क्रॉस पर पहली ही कोशिश में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके दस मिनट बाद डानी ओल्मो ने पेनल्टी स्पॉट से गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। उन्हें गोलकीपर सर्जियो हेरेरा द्वारा गिराए जाने पर बार्सिलोना को पेनल्टी मिली थी। वहीं, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने 77वें मिनट में करीब से हेडर के जरिए गोल कर टीम की जीत को पक्की कर दिया। बार्सिलोना 28 मैचों में 63 अंकों के साथ शीर्ष पर है। मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड 60 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 56 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। अभी 10 मुकाबले बाकी हैं। मैच के बाद फेरान टोरेस ने कहा, अब से हर मैच हमारे लिए फाइनल जैसा है। हमने इस मुकाबले को जल्दी और मजबूती से अपने पक्ष में किया। तीन अंक मिले, यही सबसे अहम बात है। यह मुकाबला 8 मार्च को होना था, लेकिन क्लब के डॉक्टर कार्लेस मिनारो गार्सिया के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने चोट और अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के कारण बदली हुई टीम उतारी, लेकिन इसके बावजूद टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और राफिन्हा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद बार्सिलोना ने ओसासुना को पूरी तरह हावी होकर खेला और उसे एक भी शॉट ऑन टारगेट लगाने का मौका नहीं दिया। फेरान टोरेस के शुरुआती गोल के दस मिनट बाद, पेड्री ने लंबा पास डाला, जिसे डानी ओल्मो ने शानदार तरीके से नियंत्रित किया, लेकिन गोलकीपर सर्जियो हेरेरा ने उन्हें गिरा दिया।

मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लिया

लंदन। न्यू साउथ वेल्स के कप्तान मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने 2024-25 सीजन के बीच में ही इस प्रारूप से खुद को अलग कर लिया था। 38 वर्षीय हेनरिक्स, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार टेस्ट मैच खेले हैं, अब भी न्यू साउथ वेल्स के लिए वनडे कप में उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, वह सिडनी सिक्सर्स के साथ अपने मौजूदा अनुबंध के तहत एक और सीजन खेलेंगे, जहां वे कप्तान भी हैं। हेनरिक्स ने नवंबर की शुरुआत के बाद से शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए कोई मैच नहीं खेला। उनकी गैरमौजूदगी में जैक एडवर्ड्स ने टीम की कमान संभाली और न्यू साउथ वेल्स ने फाइनल में जगह बनाने की पूरी कोशिश की, हालांकि अंत में वे चौथे स्थान पर रहे। शेफील्ड शील्ड क्रिकेट से संन्यास लेने का मन पहले ही बना लिया था अपनी संन्यास की घोषणा करते हुए हेनरिक्स ने कहा, इस साल क्रिसमस से पहले ही मैंने तय कर लिया था कि अब मुझे शेफील्ड शील्ड क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। इस राज्य का नेतृत्व करना और उसके लिए खेलना मेरे लिए सम्मान की बात थी, लेकिन न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलना सिर्फ शब्दों और तैयारी से नहीं होता, बल्कि प्रदर्शन से होता है। उन्होंने आगे कहा, मेरी फिटनेस अभी भी ठीक थी, लेकिन इस उम्र में अगर मैं अपने राज्य के लिए मैच नहीं जिता पा रहा, तो फिर मैं कैसे नेतृत्व कर सकता हूं हमारे पास शानदार युवा खिलाड़ी हैं जो इस टीम को आगे लेकर जाएंगे और मैं उन्हें पूरा समर्थन दूंगा।

अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के फाइनल में बनाई जगह

मुंबई। भारत की नंबर 1 महिला स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बॉम्बे जिमखाना के लॉन में स्थित आउटडोर ग्लास कोर्ट पर गुरुवार को खेले गए इन मुकाबलों ने दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान किया। यह भारत का पहला पीएसए स्क्वैश कॉपर टूर्नामेंट है। पहले सेमीफाइनल में भारत की नई स्क्वैश सनसनी अनाहत सिंह का सामना अनुभवी जोशना चिनप्पा से हुआ। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां अनाहत ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए पहला सेट आसानी से जीत लिया। हालांकि, 38 वर्षीय जोशना ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए दूसरा सेट जीतकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद अनाहत ने शानदार वापसी की और कोर्ट पर बेहतरीन एंगल्स का इस्तेमाल करते हुए अगले दो सेट जीतकर 32 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भाई के सपनों को पूरा करने के लिए हॉकी में अपना करियर संवार रही हैं माधुरी किंडो

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी की उभरती हुई खिलाड़ी माधुरी किंडो ने एक बार फिर अपनी काबिलियत साबित करते हुए सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के कोर संभावित समूह में जगह बनाई है। ओडिशा की रहने वाली 23 वर्षीय इस गोलकीपर को लगातार दूसरी बार इस प्रतिष्ठित कैंप के लिए चुना गया है। पहली बार उन्हें 2024 में इसमें शामिल किया गया था। हालांकि, माधुरी अभी सीनियर टीम में डेब्यू नहीं कर पाई हैं, लेकिन वह अपने परिवार, खासकर अपने बड़े भाई मनोज के सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। मनोज खुद एक राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं और फिलहाल आर्मी हॉकी टीम के लिए खेलते हैं।

माधुरी की हॉकी यात्रा महज आठ साल की उम्र में उनके गांव कडोबहाल, राउरकेला में शुरू हुई थी। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैंने अपने बड़े भाई मनोज को खेलते देखा, जो ओडिशा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेल चुके हैं। उन्हें देखकर ही मुझे हॉकी खेलने की प्रेरणा मिली। अपने भाई की तरह माधुरी भी भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती हैं और उनके अधूरे सपने को पूरा कर ने के लिए खुद को समर्पित कर चुकी हैं।

परिवार का समर्थन और शुरुआती संघर्ष

एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली माधुरी के पिता किसान हैं और मां गृहिणी। हालांकि, आर्थिक चुनौतियां थीं, लेकिन परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया। माधुरी ने कहा, मेरे पिता ने हमेशा मुझ पर भरोसा किया और मेरे करियर को आगे बढ़ाने में मेरी बुआ (पिता की बहन) का बड़ा योगदान रहा। अगर उनका सहयोग न होता, तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंच पाती।

उनके माता-पिता ने हमेशा उन्हें मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और भविष्य की चिंताओं से दूर रहने की सीख दी। माधुरी ने भावुक होते हुए कहा, वे कहते थे कि सिर्फ वर्तमान में अपना सर्वश्रेष्ठ दो, बाकी सब खुद-ब-खुद अच्छा होगा। मैं चाहती हूं कि एक दिन लोग मेरे माता-पिता को मेरे नाम से जानें।

माधुरी की पेशेवर हॉकी यात्रा 2012 में तब शुरू हुई जब उन्होंने पानपोष स्पोर्ट्स हॉस्टल, राउरकेला जॉइन किया। वहां कोच अमूल्य नंद बिहारी के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने खेल को निखारा। 2021 में, वह भारतीय जूनियर महिला टीम का हिस्सा बनीं और 2023 जूनियर एशिया कप में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2023 जूनियर वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया और अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 2024 में सीनियर राष्ट्रीय कैंप में जगह बनाई।

दिलचस्प बात यह है कि माधुरी ने अपने करियर की शुरुआत एक डिफेंडर के रूप में की थी, लेकिन उनकी ऊंचाई और फुर्ती को देखते हुए स्पोर्ट्स हॉस्टल के कोच ने उन्हें गोलकीपर बनने की सलाह दी। शुरुआत में यह बदलाव मुश्किल लगा, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने इसे स्वीकार किया और गोलकीपिंग में खुद को साबित किया।

माधुरी ने कहा, गोलकीपर होने के नाते, मुझे पूरे मैदान का स्पष्ट दृश्य मिलता है। मैंने सीखा कि टीम को कैसे नियंत्रित करना है, दबाव में कैसे मोटिवेट करना है और कठिन परिस्थितियों में संयम कैसे बनाए रखना है।

जूनियर टीम के साथ खेलते हुए माधुरी ने कई यादगार प्रदर्शन किए। 2023 जूनियर एशिया कप में भारत को गोल्ड मेडल जिताने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने गर्व से बताया, उस जीत के बाद मेरे गांव के लोग, यहां तक कि सरपंच भी, मेरे घर बधाई देने आए। तब मुझे एहसास हुआ कि मैं अपने परिवार और गांव का नाम रोशन कर सकती हूं।

उनकी इस उपलब्धि से उनके भाई मनोज सबसे ज्यादा खुश थे। माधुरी ने याद करते हुए कहा, जब हमने एशिया कप जीता, तो भाई ने तुरंत मैसेज कर कहा कि उसे मुझ पर गर्व है और मेरी सफलता उसकी अपनी सफलता जैसी है।

2023 एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप में माधुरी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में लगातार चार शानदार सेव कर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने कहा, उस पल ने मुझे खुद पर भरोसा करना सिखाया। यह एहसास कि मैं अपनी टीम के लिए संकट के समय खड़ी हो सकती हूं, मुझे हमेशा याद रहेगा।

रोल मॉडल और भविष्य की योजनाएं

ओडिशा के लिए कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खेल चुकीं माधुरी भारतीय महिला हॉकी टीम की दिग्गज गोलकीपर सविता को अपना आदर्श मानती हैं। माधुरी ने बताया, सविता दी मेरी प्रेरणा हैं। जूनियर कैंप के दौरान मैं हमेशा उनकी गेम रेकॉर्डिंग देखती थी—उनके सेव, उनकी लीडरशिप, उनकी मानसिक दृढ़ता। अब जब मैं उनके साथ ट्रेनिंग करती हूं, तो उनसे बहुत कुछ सीख रही हूं।

उनका अल्पकालिक लक्ष्य भारतीय सीनियर टीम में पदार्पण करना है, लेकिन उनकी बड़ी महत्वाकांक्षा इससे कहीं आगे है। उन्होंने कहा, मेरा सपना भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतना है। मैं अपने माता-पिता और भाई को वह पहचान दिलाना चाहती हूं, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने मुझे सब कुछ दिया है, अब मेरी बारी है उन्हें कुछ लौटाने की।

आर्यना साबालेंका पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली

दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना साबालेंका ने गुरुवार को इटली की छठी वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 6-2, 6-2 से हराकर अपने पहले मियामी ओपन फाइनल में प्रवेश किया।

साबालेंका ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली सर्व पर 77 प्रतिशत अंक जीते, छह ऐस लगाए और अपने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। इसके साथ ही, उन्होंने पांच में से चार ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाया और महज 71 मिनट में जीत दर्ज की।

दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाली बेलारूसी शीर्ष वरीयता प्राप्त साबालेंका ने इस टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। वह मियामी में इंडियन वेल्स उपविजेता के रूप में पहुंची थीं।

साबालेंका ने कहा, मैं आज के अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचकर काफी उत्साहित हूं।

पूरे मैच के दौरान साबालेंका कभी पिछड़ी नहीं और दोनों सेटों में सिर्फ एक बार स्कोर 1-1 से बराबर हुआ।

उन्होंने आगे कहा, मैं कह सकती हूं कि यह इस सीजन के बेहतरीन मुकाबलों में से एक था। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं पूरी तरह से अपने खेल पर केंद्रित थी। ऐसा लग रहा था कि सबकुछ मेरे पक्ष में जा रहा है।

अब फाइनल में साबालेंका का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इस मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला और फिलीपींस की वाइल्डकार्ड एंट्री एलेक्जेंड्रा एला आमने-सामने होंगी। एला ने पिछले दौर में पोलैंड की विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक को हराकर चौंकाने वाली जीत दर्ज की थी।

महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल

मैनचेस्टर में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई चेलेसा और मैनचेस्टर की खिलाड़ी।

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली

अपनी सातवीं मियामी ओपन खिताबी जीत के लक्ष्य के साथ खेल रहे सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 (7-4) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला एक घंटे 24 मिनट तक चला।

यह क्वार्टरफाइनल मैच बुधवार रात को खेला जाना था, लेकिन जेसिका पेगुला और एम्मा राडुकानु के बीच महिला क्वार्टरफाइनल मैच रात 11 बजे के बाद तक चलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। मैच रात करीब 12 बजे शुरू होता, जो नए एटीपी नियमों के खिलाफ होता।

जोकोविच अब सेमीफाइनल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से भिड़ेंगे। 33 वर्षीय दिमित्रोव, जो 2024 में इस टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे, के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड 12-1 का है।

जोकोविच इससे पहले अपने सभी छह मियामी ओपन खिताब टूर्नामेंट के पिछले स्थल की बिस्केन में जीते थे। इस बार वह अपने करियर के 100वें खिताब को जीतने के लिए प्रयासरत हैं।

जोकोविच ने कहा, मुझे यहां जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मुझे लगता है कि मेरे पास खिताब जीतने का अच्छा मौका है... मैं लंबे समय बाद अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हूं।

हार्ड रॉक स्टेडियम में दर्शकों ने 37 वर्षीय जोकोविच के समर्थन में उनके नाम के नारे लगाए, भले ही वह एक अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। दूसरे सेट में उन्होंने 4-1 और 5-2 के पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेकर में जीत हासिल की। उन्होंने मैच प्वाइंट पर एक जोरदार ऐस लगाया और 24वीं वरीयता प्राप्त कोर्डा के खिलाफ 83प्रतिशत पहली सर्विस का शानदार आंकड़ा दर्ज किया। जीत के बाद उन्होंने जोरदार गर्जना की और अपनी रैकेट को वायलिन बजाने की तरह दिखाकर जश्न मनाया।

जोकोविच ने कहा, अगर मैं जीत का कारण एक शब्द में कहूं, तो वह है - सर्व, मैंने काफी अच्छी सर्विस की, यह मेरे लंबे समय के सबसे बेहतरीन सर्विंग प्रदर्शनों में से एक था।

मेंसिक ने फील्स को हराया

पुरुषों के पहले क्वार्टरफाइनल में, चेक गणराज्य के किशोर खिलाड़ी जकुब मेंसिक ने 17वीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के आर्थर फील्स को 7-6 (7-5), 6-1 से हराकर एटीपी 1000 पॉइंट स्तर के अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई।

19 वर्षीय मेंसिक ने पहला सेट टाईब्रेकर में जीता और फिर दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त बनाकर 20 वर्षीय फील्स को मात दी। 54वीं रैंकिंग के मेंसिक ने 13 ऐस लगाए और क्रॉसकोर्ट फोरहैंड विनर के साथ 75 मिनट में मुकाबला समाप्त किया।

अब मेंसिक सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज और माटेओ बेरेटिनी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

बीसीसीआई ने स्पिन गेंदबाजी कोच पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए

बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने अत्याधुनिक बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) बेंगलुरु में स्पिन गेंदबाजी कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह भूमिका भारत के सभी प्रारूपों और आयु वर्गों के स्पिन गेंदबाजों के विकास और प्रदर्शन को निखारने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस कोच का कार्यभार भारत की सीनियर पुरुष और महिला टीमों, भारत ए, अंडर-23, अंडर-19, अंडर-16 और अंडर-15 टीमों के साथ-साथ राज्य संघों के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण से जुड़ा होगा।

मुख्य जिम्मेदारियां

- बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में क्रिकेट स्क्वॉड के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना।
- खिलाड़ियों को आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत तकनीकी कोचिंग प्रदान करना।
- खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन योजनाएं तैयार करना और उनकी प्रगति की निगरानी करना।
- चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय और राज्य कोचों, प्रदर्शन विश्लेषकों और फिटनेस विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रतिभाशाली स्पिन गेंदबाजों को विकसित करना।
- जीपीएस-सक्षम उपकरणों और बायोमैकेनिकल विश्लेषण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार करना।
- चोट से उबर रहे खिलाड़ियों के पुनर्वास में सहयोग देना और प्रतिस्पर्धा के लिए उनकी फिटनेस सुनिश्चित करना।

योग्यता और अनुभव

- इस पद के लिए निम्नलिखित योग्यताओं में से किसी एक का होना अनिवार्य है—
- पूर्व भारतीय क्रिकेटर या कम से कम 75 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके पूर्व भारतीय प्रथम श्रेणी क्रिकेटर, जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत ए, भारत अंडर-19, भारत महिला या आईपीएल टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- बीसीसीआई सीओई लेवल 3 परफॉर्मेंस कोच (या समकक्ष), जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत ए, भारत अंडर-19, भारत महिला, आईपीएल या राज्य टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- बीसीसीआई सीओई लेवल 2 कोच (या समकक्ष), जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत , भारत अंडर-19, भारत महिला या आईपीएल टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- हाई-परफॉर्मेंस योजनाओं के निर्माण और निगरानी, साथ ही एलीट क्रिकेट वातावरण में खिलाड़ी विकास कार्यक्रमों को लागू करने का सफल रिकॉर्ड।

आवेदन की अंतिम तिथि:

- इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 10 अप्रैल 2025, शाम 5:00 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन लिंक के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों को अपने ईमेल के विषय में स्पिन गेंदबाजी कोच अवश्य लिखना होगा।